प्रेषक.

पी०एस० जंगपांगी, अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक अर्थ एवं संख्या निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून, दिनाकः रिमार्च, 2008

विषयः अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454 के अन्तर्गत मानक मद संख्या-01-वेतन, 08-अन्य भत्ते मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये अतिरिक्त घनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

TAXABLE SANCTION SANCTION

उपर्युक्त विषयक आपके पन्नांक 225/3 लें0-(अं0एवं०स0)/2007-08 दिनांक: 01 फरवरी, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454 के अन्तर्गत मानक मद संख्या-01-वेतन, 06-अन्य मत्ते मद में संलग्न बीं0एम0-15 के अनुसार इसी लेखाशीर्षक के 16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये मुगतान मद की बचतों को व्यावर्तित करते हुए वालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में कुल रू0 4,37,000/- (रूपये बार लाख सैतीस हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि की स्वींकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही हैं। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का छपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यो पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्यज रुल्स एवं मित्व्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 3— स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुक्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय की विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।

- 4— यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू विलीय वर्ष 2007—08 के आय—व्ययक में अनुदान संख्या—07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 3454—जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, 02—सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी—आयोजनेत्तर, 001— निदेशन तथा प्रशासन, 03—अर्थ एवं संख्या अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।
- 6- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय सं0-1364/XXVI-5(1)/ 2008 दिनांकः
  15 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय.

(पी०एस० जंगपांगी) अपर सचिव।

संख्या (१) (१)/XXVI-दो (२)/2007 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 4 समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सविवालय परिसर, देहरादून।

5- गार्ड फाइल।

(पीठएसठ जंगपागी) अपर सचिव।

पूनविनियोग 2007-08 विवरण यञ अप्य-व्यय प्रपत्र-15

(धनराशि हजार रूपये में) 0 0 0 अनुदान संख्या-07

		Γ		官份	容倍	T
आयोजनेतार	(Second)	att		जनपद/अण्डल/निदेशालय की मान के अनुसार गाह फरवरी के वेशन भूगतान हेतु	जनमद्र मण्डस्त्र निदेशालय की माग के अनुसार गांछ फरवरी के वैह्न भूगाश्यन हेस्	2
नियंत्रक अधिकारी-सरिव, नियोजन	वृत्तार्थं नेयांग क बाद सराम्न-। मे अवशेष धनस्यीशे (इज्लार् क्र0)	1	Talk does	E		111
	पुनविभियोग इ.स. १८५ स्तास - ५ की क्रम धनश्राशि	40		16337	2300	18637
	(धनवित्र)		्ठा क व्यवस्था तथा साविक्य स्था प्रशासन स्थ्य अधियतन	125	908	437
	धनर्भित्र विद्यास्ति विद्या स्टब्स्टन्सीस किया जामा है	100	अनुदान सक्छा-०७ सेव्याकीयंव- 3454-उर्गाग्यन्त कर्वेद्या तथा 02- सर्वेद्या तथा मारियादी ३ 001-निर्वेद्यन तथा प्रमासन 03- अर्थ एव सक्द्रा अधिकान		06-314 WITH-	
	अवशेष (सरप्तम)	*		गड-व्यवस्ताविक स्थ्य विशेष सेमाओं के जिये भूगतान – ६४६		540
	पित्तीय वर्ष के त्रीव अवधि ने अनुमानित व्यव	0	अनुदान संख्या –07 लेकाशीपंड 3454-जागणना सर्वेषण तथा सार्थियकी 02 सर्वेशण तथा सार्थियकी आयोजनेतार 001-निवेशन तथा प्रशासन 03 अर्थ एवं संख्या अधिकान	234		3224
प्रशासनिक विभाग-नियोजन विभाग	मानक मदवार अधावविक व्यय	2		1428		1428
	নেতে প্রবিধাদ দেয়া প্রথম দাদক স্থাপিক বিধনস্য সাহামে ক্রাম্	1		16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये चुगतान – 2200		대기(50 - 2200

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विस्थिम के काट मैगुजन के परिकोद—150,153,155 एवं 156 में उत्तिविद्धा प्रापेशानी एवं सीपाजी कर उस्त्याम नहीं होता है।

(पी०एस० जगपांगी) अपर सविध।

दहरादून सरयाः १३६४ न्यात श्वहातियान वित्त अनुभाग-5 (A)/विठअनुत-5/2008 दिनांक 15 मार्च 2008

पुनर्जिनियोग स्वीकृत।

सेवा में

महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटसं बिन्डिंग, देलरायून।

प्रतिनिष्टि निव्नतिर्वेशत को सुद्धन्त्र्य एवं आवश्यक करवेताही हेतु प्रेष्टित --वरिष्ठ कोषाधिकारी, वेहरायुर्ग। सख्याः पृष्टः / XXVI-2/दो(2) 2007 टीवसीव-4 सददिनर्गकत।

तिल अनुमाग-५. उत्सद्धकाद शासना

निदेशक, अर्थ एवं संख्या, जातलखण्ड, वेहरायून।

WEST 82

| क्षात क्षाता | | क्षाता क्षाता |

(एन० की० जोकी) अपर सकित।